राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय

स्कूल स्तर कथक पाठ्यक्रम अंकविभाजन

MARKING SCHEME OF SCHOOL LEVEL

Sangeetika Senior Diploma in performing art- (S.S.D.P.A.)

2021 -22 (Private)

PAPER	SUBJECT - Kathak	MAX	MIN
1	Theory-I History and Development of Indian dance	100	33
2	PRACTICAL - I Demonstration & Viva	100	33
	GRAND TOTAL	200	66

स्कूलस्तर के पाठ्यक्रम
स्वाध्यायी विद्यार्थियों हेतु

संगीतिका सीनियर डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट
विषय–सुगमनृत्य
शास्त्र

समयः– 3 घन्टे

पूर्णांक–100

1. अभिनय दर्पण के अनुसार असंयुक्त हस्त मुद्राओं के नामों की जानकारी एवं मुद्राओं का विनियोग सहित वर्णन।

2. दृष्टि भेद एवं भृकुटी भेदों की विस्तृत जानकारी।

3. ग्रीवाभेद एवं शिरोभेद की विस्तृत जानकारी।

4. लय की परिभाषा एवं उसके मूल प्रकार विलम्बित मध्य एवं द्रुत लय की जानकारी।

5. नृत्य कला सीखने से लाभ।

6. राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात महाराष्ट्र के लोक नृत्यों की जानकारी।

7. भाव की व्याख्या एवं नृत्य में इसकी महत्ता।

8. तीन ताल (16–मात्रा), दादरा (6–मात्रा), कहरवा (8–मात्रा), रूपक (7–मात्रा), एक ताल (12–मात्रा), तथादीपचंदी (14–मात्रा) तालों की जानकारी व उनकी, ठाह, दुगुन, चौगुन, को लिपिबद्ध करने का अभ्यास।

9. सोलह श्रृंगार एवं बारह आभूषणों की जानकारी।

संगीतिका सीनियर ड़िप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट

विषय–सुगम नृत्य

प्रायोगिक

पूर्णांकः–100

1. असंयुक्त एवं संयुक्त हस्तमुद्राओं का श्लोक उच्चारण सहित प्रदर्शन।

2. ग्रीवाभेद, शिरोभेद, दृष्टिभेद, एवं भृकुटी भेदों का प्रायोगिक प्रदर्शन करने की क्षमता एवं नृत्य के साथ उनका प्रयोग।

3. राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुज़रात, महाराष्ट्र तथा पंजाब के लोकनृत्यों पर भाव प्रदर्शन के साथ नृत्य करने का अभ्यास।

4. गज़ल (मीर, गालिब, फिराक़, फैज़,), भजन (सूर, मीरा, तुलसी) आदि पर भाव प्रदर्शन के साथ नृत्य करने का अभ्यास।

5. जूनियर ड़िप्लोमा में आए सभी प्रश्नों की मौखिक जानकारी।

6. पाठ्यक्रम में आए सभी तालों की ठाह, दुगुन, चौगुन लगाने की क्षमता।

संदर्भित पुस्तकें :–

1. अभिनय दर्पण (श्री वाचस्पति गैरोला)

2. कथक नृत्य (श्रीलक्ष्मी नारायण गर्ग)

3. कथक नृत्य शिक्षा (डॉ. पुरू दधीच)

4 कथक मध्यमा (डॉ. भगवानदास माणिक)

आंतरीक मूल्यांकन

आवश्यक निर्देश–: आंतरीक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों का प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1.कक्षा में सीखे गये रागो की स्वरलिपि/तोड़ो का विवरण

2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट